हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, मंगलवार, 29 जुलाई 2025

तापमान
अधिकतम 37.1 डिग्री
न्यूनतम 26.5 डिग्री

11 रोहतक में 2 से 4 अगस्त तक राज्य स्तरीय खेल ...

12 रात्रि ठहराव कार्यक्रम में बनियानी गांव में सुनीं समस्याएं

शहर में आज

- अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन
- सुबह 10:30 बजे महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के एक्टिविटी सेंटर के पार्क में विद्यार्थियों द्वारा महत्वपूर्ण छात्र मुद्दों को लेकर कुलपति कार्यालय का घेराव करते हुए प्रदर्शन किया जाएगा।

खबर संक्षेप

वैश्य कॉलेज चुनाव में 12 नामांकन हुए जमा

रोहतक। वैश्य एजुकेशन सोसायटी की 105 कॉलिजियम के चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद गवर्निंगबाडी के 5 पदों प्रधान, उप-प्रधान, महासचिव, सह-सचिव व कोषाध्यक्ष तथा 16 कार्यकारी सदस्य के पद के नामांकन का आज पहला दिन था। कुल 12 नामांकन जमा हुए। प्रत्याशियों ने स्वयं उपस्थित होकर अपने-अपने नामांकन जमा करवाएं।

तीन युवक अवैध हथियार सहित काबू

रोहतक। सीआईए-1 की टीम ने तीन युवकों को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया। आरोपियों के खिलाफ अलग-2 केस दर्ज करके कार्यवाही की गई है। आरोपियो को कोर्ट पेश किया गया है। सीआईए-1 प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि मुख्य सिपाही महावीर के नेतृत्व में सीआईए-1 स्टाफ की टीम गांव खेड़ीसाध युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान पवन उर्फ चंदा निवासी गांव माडौठी जिला झज्जर के रुप में हुई। युवक के पास से एक देसी पिस्तौल व एक रौंद बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ आईएमटी थाने में केस दर्ज करके गिरफ्तार किया गया है। वहीं, सीआईए-1 की टीम दिल्ली बाईपास से कन्हेली फ्लाईओवर के पास से युवक को शक के आधार पर काबू किया गया।

नशा तस्करी के मामले में मुख्य आरोपी धरा

रोहतक। हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के लिए हरियाणा राज्य

नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की भिवानी यूनिट ने 26 जुलाई को रोहतक जिले के महम थाना क्षेत्र में 1.034 किलोग्राम अवैध चरस बरामद होने के मामले में सोमवार को मुख्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। एनसीबी भिवानी यूनिट के प्रभारी अमर सिंह ने बताया कि जींद जिले के जुलाना निवासी सुनील को गिरफ्तार किया।

प्रति जोन 49 लाख का टेंडर होने के बावजूद नहीं सुधर रही सफाई व्यवस्था

शहर में गंदगी का अंबार, निगम की लापरवाही से जनता परेशान

ठेकेदार नहीं बढ़ा रहे गाड़ी और कर्मचारियों की संख्या

- शहर में जगह-जगह गंदगी से फैल रही दुर्गंध, बीमारी फैलने की आशंका बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर की सफाई व्यवस्था बदहाल होती जा रही है और इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। नगर निगम की लापरवाही के चलते शहर के विभिन्न हिस्सों में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं, जिससे लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। गंदगी से फैल रही दुर्गंध और सड़कों पर जमा कूड़ा-करकट लोगों के लिए बड़ी परेशानी का सबब बन गया है। हालात इतने खराब हैं कि सड़कों के किनारों पर खुले में डाला गया कूड़ा तीन से चार दिन तक नहीं उठाया जाता। निगम प्रशासन की यह उदासीनता तब देखने को मिल रही है जबकि कूड़ा उठाने के लिए तीन महीने के लिए प्रति जोन 49 लाख रुपये का टेंडर एक जुलाई से जारी किया गया है। बावजूद इसके सफाई व्यवस्था में सुधार नजर नहीं आ रहा। निगम ने शहर को बेहतर सफाई प्रबंधन के लिए 22 वार्डों को पांच जोनों में विभाजित किया गया है, ताकि हर क्षेत्र से कूड़े को नियमित रूप से और व्यवस्थित तरीके से उठाया जा सके। लेकिन ज़मीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। उनके घरों तक कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां नहीं पहुंचतीं।

रेलवे रोड पर पड़ी गंदगी

शांतमई चौक पर जमा कूड़ा

सेक्टर सहित कई मोहल्लों के गलियों में नहीं आ रही गाड़ियां

मुख्य सड़कों पर गाड़ियां जरूर दिखाई देती हैं, लेकिन अंदरूनी गलियों में कूड़ा उठाने का कार्य या तो बहुत कम होता है या फिर बिल्कुल नहीं होता। कई बार जब गाड़ियां आती भी हैं, तो वे पहले से ही कचरे से भरी होती हैं। ऐसे में अतिरिक्त कचरा गाड़ी में डालने की जगह ना होने पर लोग मजबूरन कूड़ा सड़कों और गलियों में ही फेंक देते हैं, जिससे सफाई की स्थिति और बदतर हो जाती है। इससे न केवल दुर्गंध फैलती है, बल्कि मच्छर-मक्खियों का प्रकोप भी बढ़ रहा है, जिससे बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है।

ठेकेदार की मंशा रुपये बचाने की

लोगों का आरोप है कि तीन माह के लिए ठेका तो दे दिया गया है, लेकिन ठेकेदार द्वारा गाड़ियों की संख्या नहीं बढ़ाई गई है, न ही लेबर बढ़ाई गई है। इसलिए शहर के आधे से ज्यादा एरिया से कूड़ा नहीं उठाया जा रहा है। यह हालात तब तक बने रहेंगे तब तक जरूरत के मुताबिक गाड़िया नहीं लगाई जाएगी। ठेकेदार की मंशा ज्यादा से ज्यादा रुपये बचाने की है, ऐसा होने से हालात और ज्यादा खराब होते जा रहे है।

इन क्षेत्रों में रहती है ज्यादा समस्या

शिवाजी कॉलोनी, भरत कॉलोनी, पावर हाउस, प्रेम नगर, लाढ़ौत रोड, बसंत विहार कॉलोनी, उत्तम विहार, सेक्टर एक दो, शीला बाईपास, रामगोपाल कॉलोनी जैसे प्रमुख क्षेत्रों के साथ-साथ शहर के ग्रामीण क्षेत्रों में भी यही हालात देखने को मिल रहे हैं। लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार निगम कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का आरोप है कि टेंडर पास होने और बजट आवंटन के बावजूद सफाई व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हो रहा, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या टेंडर केवल कागजों तक ही सीमित रह गए हैं।

जनता की मांग जल्द कार्रवाई हो

जनता अब नगर निगम से जवाब की मांग कर रही है और चाहती है कि संबंधित अधिकारी स्थिति का संज्ञान लेकर शीघ्र कार्रवाई करें। यदि जल्द ही व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो लोग आंदोलन का रास्ता भी अपना सकते हैं। लोगों को जीना दूभर हो चुका है। बारिश के कारण सड़कों पर जो जलभराव होता है, वह गंदगी के कारण भी होता है, ऐसे में गंदगी नालों में जाने से वह पानी को आगे नहीं बढ़ने देती है।

रविवार को निजी अस्पताल के बाहर शव को छोड़ गए थे दो युवक

होटल संचालक की पीट पीटकर हुई थी हत्या

- पैसे के लेन-देन को लेकर हत्या की बात सामने आई
- परिजनों ने पार्टनरों पर लगाया आरोप, पुलिस जांच में जुटी

मृतक सुमित

सुमित ने पुरानी आईटीआई के पास होटल किया हुआ था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

निजी अस्पताल में मिले शव की पहचान हो गई है। युवक सिंहपुरा का रहने वाला सुमित था। वह इस समय हाल कैलाश कॉलोनी में रह रहा था। उसने पुरानी आईटीआई के पास होटल किया हुआ है। अभी तक की जांच में पैसे के लेन-देन को लेकर हत्या की बात सामने आई है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि सुमित के पार्टनरों ही पैसे के लेन-देन को लेकर मारपीट कर हत्या की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस थार गाड़ी सहित आरोपियों की तालाश में जुटी है।

मृतक सुमित के चाचा अजमेर ने आरोप लगाया कि सुमित व उसके पार्टनर रौनक राणा के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद है, जिसके कारण रात को सुमित अचानक घर से निकल गया। वहीं, अगले दिन रौनक राणा ने अपने साथी के साथ मिलकर सुमित की बेरहमी से मारपीट करते हुए हत्या कर दी।

ये है मामला

बता दें कि रविवार को दो युवक गाड़ी में आए और निजी अस्पताल के बाहर एक युवक को फेंककर फरार हो गए थे। युवक को अस्पताल के बाहर कर्मचारी ने स्टाफ को सूचना दी। सूचना मिलते ही युवक को स्ट्रेचर पर रखा और डॉक्टरों को बुलाया गया, लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। इसके बाद डॉक्टर व आस-पास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी थी।

जल्द आरोपियों को काबू कर लिया जाएगा

पुलिस को एक शव निजी अस्पताल के बाहर पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने मृतक के चाचा की शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जल्द ही दोनों आरोपियों को काबू कर लिया जाएगा। -बिजेंद्र सिंह, थाना प्रभारी, आर्य नगर

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

युवक के शव को अस्पताल के बाहर फेंकने के मामले में आर्य नगर थाना पुलिस जांच कर रही है। अस्पताल के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। वहीं, थार गाड़ी पर टैम्परेरी नंबर सामने आई है। साथ ही एफएसएल एक्सपर्ट ने भी मौके से सबूतों को एकत्रित कर लैब में भेजा है।

हत्या की आशंका, पुलिस कर रही जांच

सीडीपीओ कार्यालय के प्रांगण में मिला शव, सिर में चोट के निशान

- पुलिस ने शव को पीजीआई भेज दिया परिवार के सदस्य आने पर आज पोस्टमार्टम होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

महाराष्ट्र का रहने वाला है व्यक्ति

मौके पर जांच करते पुलिस अधिकारी व एफएसएल टीम से डॉ. सरोज दहिया।

झज्जर रोड पर स्थित महिला बाल विकास विभाग कार्यालय में एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं, जिसकी वजह से हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेज दिया। परिवार के सदस्य आने पर मंगलवार को पोस्टमार्टम होगा। सुबह करीब साढ़े 8 बजे कार्यालय की सफाई करने के लिए महिला कर्मचारी नेहा पहुंची तो उन्होंने एक व्यक्ति का शव पड़ा देखा। वह डर गई और उन्होंने आसपास के लोगों को जानकारी दी परिवार को भी बताया। तभी पुलिस को भी सूचना दी गई। इसके बाद एफएसएल टीम से डॉक्टर भी मौके पर पहुंची और घटना की जांच की गई। जांच में सिर के दोनों तरफ चोट के निशान पाए गए हैं। खून भी पड़ा हुआ था। माना जा रहा है चोट के कारण व्यक्ति की मौत हुई है। पुलिस ने मृतक के कपड़ों की तलाशी ली तो उसकी जेब से एक छोटी डायरी मिली। जिस पर श्याम लाल लिखा था। दो फोन नंबर भी लिखे थे। पुलिस ने फोन पर परिवार का पता लगाया। वह महाराष्ट्र का बताया जा रहा है। बताया गया कि वह प्लाई वुड्स फैक्ट्री में काम करता था। पुलिस का मनना है कि चोट के घाव को देखते हुए हत्या हो सकती है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे भी खंगाल रही है। ताकि पता चल सके घटना कैसे हुई।

दौड़ में पीजीआई, एम्स सहित चंडीगढ़ पीजीआई के वरिष्ठ चिकित्सक शामिल

हेल्थ विवि के वीसी डॉ. अग्रवाल का कार्यकाल 30 अगस्त को होगा समाप्त, आगे बने रहेंगे, तय नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

डॉ एचके अग्रवाल

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल का कार्यकाल 30 अगस्त को खत्म होने जा रहा है। उन्होंने रजिस्ट्रार के पद के बाद विगत वर्ष 29 नवंबर को कुलपति का कार्यभार संभाला था, लेकिन उनका कार्यकाल समाप्त होने के बाद वे कुलपति की कुर्सी पर बन रहेंगे या नहीं, यह सरकार को तय करना है। रजिस्ट्रार के पद से वह सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं। उनकी सेवानिवृत्ति नजदीक आने की वजह से पीजीआई के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ ध्रुव चौधरी, पीजीआई निदेशक डॉ एसके सिंघल सहित एम्स और चंडीगढ़ पीजीआई के कई वरिष्ठ चिकित्सक कुलपति की दौड़ में शामिल हैं। हालांकि डॉ एचके अग्रवाल भी कुलपति की दौड़ में शामिल हैं। लेकिन इसके लिए सरकार को उन्हें स्थाई कुलपति नियुक्त कर तीन साल के लिए कार्यकाल बढ़ाना होगा।

इससे पहले रोहतक हेल्थ विवि की कुलपति डॉ. अनीता सक्सेना थी। उनका कार्यकाल 68 वर्ष की आयु में समाप्त हुआ था।28 नवंबर को वह अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद सेवानिवृत्त हुई। इसके बाद डॉ. एचके अग्रवाल 29 नवंबर को अपना कार्यभार संभाला था। बता दें कि डॉ. एचके अग्रवाल को वर्ष 2016 में पीजीआई का रजिस्ट्रार बनाया गया था।

हाल ही में मिला अवार्ड

कुलपति डॉ एचके अग्रवाल को हाल ही में अवार्ड मिला। चिकित्सा क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें आईपीएफ मेडिकॉन 2025 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा प्रदान किया गया। यह आयोजन रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन, एडिनबर्ग (लंदन) और पीजीआईएमएस रोहतक के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। जिसमें देश-विदेश के चिकित्सा विशेषज्ञों ने भाग लिया। मरीजों की सेवा, चिकित्सा शिक्षा में नवाचार और समाज के प्रति समर्पण के आधार पर देशभर से केवल पांच चिकित्सकों का चयन किया गया, जिनमें हरियाणा से केवल डॉ. अग्रवाल शामिल रहे।

आईएसीएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए

यहां आपको बता दें कि विगत दिनों डॉ. एच के अग्रवाल को इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन (आईएसीएम) का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। यह चुनाव 20 जून 2025 को आगरा में आयोजित किया गया था और परिणामों की घोषणा 20 जुलाई 2025 को संस्था की गवर्निंग बॉडी की बैठक में की गई।

BABA MASTNATH UNIVERSITY
Asthal Bohar, Rohtak-124021 (HR.)
Established under Haryana Private Universities Act, 2006
(Recognized by the UGC under 2(f) and Member, Association of Indian Universities (AIU)
9053066601 | www.bmu.ac.in

महंत बालकनाथ योगी
Chancellor, BMU

Zero Admission Fee* BMU SCHOLARSHIP PROGRAMS
or Free Laptop*
Eligibility Criteria: Marks 85% Above — Scholarship Upto 50%
Scholarship: Sibling, Single Girl, Physical Handicapped — Discount Upto 25% OFF

New Programmes
VLDD (Veterinary Diploma)
B.Sc. Nursing
B.Sc. (Hon.) (Agriculture)

Admissions Open 2025-26

Programmes Offered by the University for Session 2025-26

FACULTY OF AYURVEDA	Fee Per Sem.
BAMS	2,25,000/-
FACULTY OF NURSING	
ANM/GNM	--------
B.Sc. Nursing	1,05,000/-
Post Basic B.Sc. Nursing	50,000/-
FACULTY OF PHARMACEUTICAL SCIENCES	
D.Pharmacy	37,500/-
B.Pharmacy	45,000/-
M.Pharmacy	50,000/-
FACULTY OF PHYSIOTHERAPY	
BPT/ MPT	45,000/-
B.Sc. MLT/Optometry	31,000/-
FACULTY OF SCIENCES	
B.Sc. (Physical Sciences) (Physics, Chemistry, Mathematics)	11,000/-
M.Sc. (Physics, Chemistry, Mathematics)	21,000/-
B.Sc. (Life Sciences) (Botany, Zoology, Chemistry)	11,000/-
M.Sc. (Botany, Zoology)	21,000/-
B.Sc. (Bio-Technology)	11,000/-
M.Sc. (Bio-Technology)	21,000/-
B.Sc. (Hons.) Agriculture	31,000/-

FACULTY OF LEGAL STUDIES	Fee Per Sem.
B.A.L.L.B • LL.B • LL.M	27,500/-
FACULTY OF MANAGEMENT AND COMMERCE	
BBA	15,000/-
BCA	17,500/-
MBA • MCA	26,000/-
B.Com. • M.Com.	11,000/-
FACULTY OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY	
B.Tech. (CSE, ME, CE)	30,000/-
M.Tech. (CSE, CE)	30,000/-
FACULTY OF HUMANITIES AND LIBERAL EDUCATION	
B.A.- Various Subject Combinations; B.A. (Hons.) English; B.A. Journ. & Mass Comm.; B.Lib. & Info. Sci; M.Lib. & Info. Sciences; M.A. (English, Hindi, Journalism & Mass Comm., History, Economics, Sociology, Geography, Political Science)	11,000/-
M.A. Sanskrit • Shastri (UG)	2,500/-

Ph.D. (All Streams) As Per UGC Norms.

Application Fee - 1000 || Admission Fee UG 7500, PG 12500 || Exam Fee - UG 2500, PG 3000 || Hostel Fee 70000 Per Year
*Terms & Conditions Apply

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
29 जुलाई 2025

सहेली

विशेष : मित्रता दिवस
3 अगस्त

सावन में सहेलियों का साथ एक अलग तरह की खुशी देता है। सहेलियां मिलेंगी तो पुरानी यादों का झरोखा भी खुलेगा, ठंडी हवा की तरह तन-मन को पुलकित करेगा। सहेलियों का मिलते रहना बहुत जरूरी है, यह जीवन की नीरसता को छांटता है, भीतर उत्साह-उमंग भरता है, ऊर्जावान बनाता है। एक तो सावन, ऊपर से मित्रता दिवस का अवसर हो तो अपने मैत्री भाव की पेंगे जरूर भरिए।

सहेलियों का ना बिसरने वाला मैत्री भाव

आवरण कथा
मोनिका शर्मा

सावन की रिमझिम में हर स्त्री का मन अपनी सखियों को याद करता है। इस हरियल मौसम में उनका दिल उम्र के कुछ पड़ाव पीछे चला जाता है। आज की आपा-धापी में सखियों संग खिलखिलाती कल के दौर की एक लड़की स्त्रीमन में दस्तक देती है। भूला-सा कुछ स्मरण हो आता है। स्नेह के सरस भाव से बंधी डोर कुछ प्यारे लम्हों को दिलो-दिमाग में बांध लेती है। अनुभूतियां ठहर-सी जाती हैं। जो संग-साथ के अनमोल पलों को याद करने की ओर मोड़ती हैं। साथ ही यह भी याद दिलाती हैं कि जीवन के हर दौर में सहेलियों का साथ जरूरी है। अपने करीबी रिश्तों-नातों से परे मन से जुड़ने वाले चेहरों संग प्रेमिल भावों को पोसने की सोच हमेशा रखनी चाहिए। ऐसे भाव जीवन से जोड़ते हैं और सदा जोड़े रखते हैं।

स्मृतियों का सुख

असल में स्मृतियों का अपना सुख है। सहेलियों के साथ बीते समय का अपना आनंद है। यादों में दस्तक देती दोस्ती, चेहरे पर मुस्कुराहट ले आती है। आंखों में एक स्नेहपूरित चमक उतरने लगती है। मुस्कुराहटों के साझेपन का उल्लास सावन में झरती बूंदों सा आंखों से बहने लगता है। साथ झूला झूलने वाली सहेलियां, तीज-त्योहार साथ मनाने वाली सखियां भी याद

आती हैं। सहपाठी सहेलियों के साथ जीए आत्मीय पल और बचपन की खिलखिलाहट फिर लौट आती है। आखिर जीवन के सबसे प्यारे पड़ाव पर एक दूजे को चिढ़ाना और शरारतें करना, अपना मन कैसे भूल सकता है? मायके की यादों वाली पोटली में एक हिस्सा तो सहेलियों का ही होता है। औपचारिकताओं से परे यह सुख आत्मा की गहराई से जुड़ा

होता है। तभी तो संजीवनी बन हमेशा मन को पोषण देता स्त्रियों का मैत्री भाव, पारिवारिक संबंधों से भी बढ़कर होता है। दुनियावी रीत निभाते हुए सखियों के रास्ते अलग हो जाते हैं। घर-बार बसाने के लिए सबकी अपनी-अपनी राह होती है। शहर क्या देश तक बदल जाते हैं। हां, वे मित्रता की अनमोल निधि को अपने साथ लाना नहीं भूलतीं। नए संसार में कभी ना रीतने वाले इसी खजाने से निकले खुशियों के पल उनके सहभागी होते हैं।

समाज से जुड़ा सखी भाव

स्त्रियों की संवेदनाएं स्वयं तक ही सिमटकर नहीं रहतीं। अपनी सखियों संग बना निश्छल नेह के नाते का यह जुड़ाव व्यक्तिगत चाहतों से ही नहीं, समाज-परिवार के दायित्वों से भी जुड़ा होता है। मेलजोल के समय उनकी बातों में परिवेश की चिंता भी होती है। कई स्त्रियां तो समाज की साझी समस्या का हल तलाशने के दौर में ही सहेली बनती हैं। उनका मन ही नहीं, विचार भी मिलते हैं। तर्क से ज्यादा भावनाओं के धरातल पर जीवन जीना हर स्त्री का नैसर्गिक गुण होता है। बस, मन जुड़ गया तो जुड़ गया। मित्रता के मार्ग में महिलाओं का मन नाप-तौल कर डग नहीं भरता। खुशी, उत्साह और उमंग समेटने का भाव सबसे ऊपर होता है। एक-दूजे के जज्बातों को समझना सबसे अहम होता है। शिकायतों के पुलिंदे भी अधिकार से खोले जाते हैं। स्त्रियों की दोस्ती के इंद्रधनुष में इंसानी जीवन का सतरंगी अंदाज पूरी ठसक से मौजूद रहता है।

तकनीकी से जुड़ते मन के तार

आभासी संसार ने पीछे छूटी अनुभूतियों से जोड़ने का काम किया है। तकनीकी मंचों पर अपनी खोई सखियों को ढूंढकर स्त्रियां बच्चों सी खिलखिलाती हैं। मानो खुद से ही फिर मुलाकात हुई हो। स्थिर से हो चले जीवन में एक हलचल सी महसूस होती है। भाव-विभोर हो अपने बच्चों, अपनी सखियों की तस्वीरें दिखाती हैं। समय के साथ बदलावों को लेकर कभी हैरान होती हैं तो कभी संयत हो जीवन के उतार-चढ़ाव के विषय में सोचने लगती हैं। जैसे मुड़कर देखती हों, ठहर कर सोचती हों। भूला-बिसरा सा फिर कुछ समेट लेना चाहती हों। उस दौर की बेरोक-टोक सी उजली हंसी अपने पल्लू की गांठ

में बांध लेना चाहती हों। उसी आंगन में जाकर चहकना चाहती हों, जहां उनका बचपन बीता। बचपन, जिसका सबसे अहम हिस्सा तो सहेलियों के संग जिए लम्हे ही रहे। कितने सावन और वसंत इस यात्रा का हिस्सा रहे। वर्षों बाद आभासी संसार में जुड़ने भर से यह लगाव-चाव मन पर मौसम की घटाओं की तरह छाने लगता है। यह हमें आह्लादित कर देता है। ❁

बच्चों के लिए भी जरूरी है दोस्ती

बच्चे हों या बड़े, हर किसी के जीवन में दोस्त बहुत मायने रखते हैं, दोस्ती का बहुत महत्व होता है। दोस्त बनाने की कला, उनकी महत्ता को समझने और पूरी गंभीरता से दोस्ती निभाने का पाठ बच्चे अपने घर-परिवार से ही सीखते हैं। इसलिए सभी पैरेंट्स को इस बारे में कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

परवरिश
सरस्वती रमेश

यह सही है कि बड़ों से अलग बच्चों की अपनी मासूम और प्यारी सी दुनिया होती है। इसमें घर-परिवार के सदस्यों के अलावा स्कूल में उनके संग पढ़ने वाले और आस-पड़ोस के दूसरे बच्चे भी शामिल होते हैं। यही उनके दोस्त बनते हैं, जिनके साथ वे खेलते हैं, खाते हैं, पढ़ते हैं, मस्ती करते हैं। कभी-कभी एक-दूसरे से रूठ जाते हैं फिर मनाते भी हैं। बच्चों की ये दोस्ती बहुत प्यारी होती है। बच्चे दोस्ती के मूल्य को समझें और उसे भावी जीवन में अच्छी तरह निभाएं, इसके लिए शुरुआत से ही पैरेंट्स को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

बच्चे की भावनाओं को समझें: कई पैरेंट्स बच्चों की दोस्ती की भावना को लेकर गंभीर नहीं होते हैं। इससे उनके कोमल मन को चोट लग सकती है। जैसा राजू के साथ हुआ। दरअसल, राजू और सोनू बेस्ट फ्रेंड हैं। सोनू की बर्थ-डे पार्टी में जाने के लिए राजू कई दिनों से बहुत उत्साहित था। सोनू का घर राजू के घर से कुछ दूरी पर है, इसलिए वह अकेला नहीं जा सकता था। सोनू के बर्थ-डे पार्टी वाले दिन राजू ने अपनी मम्मी से सोनू के घर पहुंचाने के लिए कहा। लेकिन उसकी मम्मी ने मना कर दिया क्योंकि उन्हें पड़ोस में किटी पार्टी में जाना था। अपने बेस्ट फ्रेंड की बर्थ-डे पार्टी में न जा पाने से राजू बहुत उदास हो गया। उसने अपने हाथों से सोनू को गिफ्ट देने के लिए प्यारा सा ग्रीटिंग कार्ड भी बनाया था। यह बात आपको छोटी सी लग सकती है लेकिन समझने वाली बात यह है कि बचपन की ऐसी मासूम दोस्ती से बच्चों का गहरा जुड़ाव होता है। यह जुड़ाव उनके भीतर भावनाओं और आपसी संबंधों के बीज बोता है। ये छोटी-छोटी खुशियां ही उनके मानसिक विकास और व्यक्तित्व निर्माण की पूंजी होती हैं। उन्हें इन खुशियों से महरूम करना ठीक नहीं। उन्हें दोस्तों के घर आने-जाने दें, उन्हें एक-दूसरे की खुशियों में शामिल होने दें। इससे आगे चलकर भी वे दोस्ती की महत्ता समझेंगे, उन्हें सामाजिकता का बोध होगा।

साथ खेलने दें: बच्चों की सबसे ज्यादा दोस्ती खेलने के दौरान ही होती है। लेकिन कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को हर समय घर के भीतर ही रखते हैं। उन्हें बच्चों के कपड़े, जूते या हाथ गंदे होने और फिर बीमार होने या गलत सोहबत में पड़ने का भय सताता है। यह नहीं भूलना चाहिए कि बच्चे साथ खेलने से परिवार के बाहर के लोगों से आत्मिक व्यवहार करना सीखते हैं। उनके साथ तालमेल बैठाना, बातचीत करना, शेयर करना, हारना-जीतना और छोटे-मोटे विवाद को निपटाना भी बच्चे दोस्तों के संग खेलने के दौरान ही सीखते हैं। ये सब बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी होता है।

प्यार से समझाएं: अकसर बच्चे खेलते-खेलते आपस में झगड़ भी पड़ते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चे को दोस्त और दोस्ती के महत्व को प्यार से समझाना चाहिए, उनके बीच फिर से मेल कराने का प्रयास करना चाहिए। पुरानी बातों को याद दिलाकर अपने बच्चे के उस दोस्त की अच्छाइयों को बताना चाहिए। भूलकर भी बच्चों के आपसी विवाद में उनके पैरेंट्स से शिकायत नहीं करनी चाहिए और ना ही उनके घर झगड़ने जाना चाहिए।

मदद करना भी सिखाएं: अगर आपका बच्चा आपको बताता है कि उसका कोई दोस्त कई दिनों से स्कूल नहीं आ रहा है तो पता करने की कोशिश कीजिए कि क्या बात है? हो सकता है वो बीमार हो या उसके घर में कोई परेशानी आ गई हो। संभव हो तो अपने बच्चे के साथ उसके घर जाइए। अगर वो बीमार है तो इसका मतलब है स्कूल में पढ़ाए जाने वाले उसके चैप्टर छूट रहे होंगे। ऐसे में आप अपने बच्चे को प्रेरित करिए कि ठीक होने पर कोर्स पूरा करने में वह अपने दोस्त की जरूर मदद करे। इससे बच्चा समझेगा कि संकट के समय अपने दोस्तों की हर संभव मदद करनी चाहिए। ❁

जब मौका हो फ्रेंडशिप-डे का तो आप अपनी सबसे प्यारी सहेली को कुछ यूनिक और स्पेशल गिफ्ट जरूर देना चाहेंगी। इस बार कुछ ऐसा दें, जो स्टाइलिश हो और आपकी फ्रेंड को स्पेशल भी फील कराए। जानिए, गिफ्ट के कुछ ऐसे ही यूनिक आइडियाज।

बेस्ट फ्रेंड को दें स्पेशल गिफ्ट

आइडिया
श्वेता आयंगर

उपहार हमारी भावनाओं की अभिव्यक्ति का माध्यम होता है। कई मौकों पर हम उपहार के जरिए ही अपनी भावनाओं को प्रकट कर पाते हैं। तो फिर आने वाले फ्रेंडशिप-डे पर अपनी बेस्ट फ्रेंड से दोस्ती के अनमोल रिश्ते को और भी मजबूत बनाने के लिए आप कुछ खास उपहार देकर इस दिन को यादगार बना सकती हैं। जरूरी नहीं आपका गिफ्ट बहुत कीमती हो, लेकिन उसमें आपकी दोस्ती की फीलिंग झलकनी चाहिए।

संजोकर दें खूबसूरत यादें: आप अपनी फ्रेंडशिप पीरियड की यादें जैसे बचपन, स्कूल, कॉलेज, साथ में बिताए पलों से जुड़ी तस्वीरें लेकर उनका सुंदर-सा कोलाज बनाकर या वीडियोज बनाकर अपनी फ्रेंड को तोहफे के रूप में दे सकती हैं। ये यादें आपकी सहेली के लिए बेहद खास होंगी। इसके अलावा पर्सनलाइज्ड फोटो क्लॉक, डिजिटल फोटो फ्रेम, मेमोरी बुक या पिक्टोरियल मग आदि भी दे सकती हैं। हालांकि ये काफी पॉपुलर हैं लेकिन आपकी फ्रेंड को स्पेशल फील कराएंगे।

हुनर से सजा दें गिफ्ट: अगर आप थोड़ी क्रिएटिव हैं तो आप अपने हाथों से अपनी सहेली के लिए कार्ड, ब्यूटीफुल बैंड्स, रेजिन आर्ट की-चेन या कोस्टर आदि बनाकर उन्हें दे सकती हैं या अगर आप कुकिंग में एक्सपर्ट हैं तो उसकी पसंद की कोई डिश अपने हाथों से बनाकर खिला सकती हैं। अगर आपको कढ़ाई-बुनाई अच्छी तरह आती है, तो प्यारा सा स्टॉल, स्कार्फ, एक रूमाल का सेट (जिस पर दोस्त के नाम का पहला अक्षर उकेरा हो) भी डिजाइन करके दे सकती हैं। माना यह काफी पुराने तरीके हैं, लेकिन आज भी पसंद किए जाते हैं। क्योंकि इस तरह के तोहफे आपकी दोस्ती के रिश्ते को और प्यारा-अटूट बना देंगे।

दे सकती हैं एसेसरीज: फ्रेंडशिप-डे पर अपने फ्रेंड को गिफ्ट में एसेसरीज देना भी अच्छा ऑप्शन है। आप अपनी बेस्ट फ्रेंड को कुछ अट्रैक्टिव-स्टाइलिश एसेसरीज गिफ्ट में देना चाहती हैं तो आप कुछ अलग तरह के एसेसरीज को चूज करें। इसमें आप फ्रेंडशिप बैंड्स, ब्रेसलेट, ईयर रिंग्स, लॉकेट, पेंडेंट, बेल्ट, पर्स, बैग्स, हेयर एसेसरीज आदि गिफ्ट के तौर पर दे सकती हैं। ये आजकल स्टाइल स्टेटमेंट भी माने जा रहे हैं। इन्हें आपके फ्रेंड्स डेली यूज से लेकर पार्टी जैसे ऑकेजन में भी आसानी से कैरी कर सकते हैं। वहीं इनमें खास बात यह भी है कि इन एसेसरीज की डिजाइन को आप अपने दोस्त की पसंद के अनुसार भी कस्टमाइज करवा सकती हैं। यकीन मानिए, इस तरह के तोहफे आपके फ्रेंड को बहुत पसंद आएंगे।

प्रेम भरी पाती: आपके बेस्ट फ्रेंड के लिए सबसे अच्छा उपहार यह भी हो सकता है कि आप उसके लिए अपने मन की बात, कविता, फ्रेंडशिप से जुड़ी यादें, सब कुछ एक लैटर में लिखकर दे सकती हैं। आजकल मार्केट में कई तरह के खूबसूरत वुडेन लेटर होल्डर भी मिलते हैं। जिस पर नक्काशी किए हुए स्टैंड में एक खाली लैटरनुमा शीट होती है। यह खुशबूदार होता है। इस पर आप अपने दोस्त को संदेश लिखकर दे सकती हैं। इसके अलावा प्यारे बॉक्स भी आते हैं, जिसमें आप लैटर रखकर अपने फ्रेंड को दे सकती हैं। इसे देखकर आपके दोस्त के चेहरे पर मुस्कान आ जाएगी। मोबाइल और इंटरनेट के इस युग में आपका दिया इस प्रकार का प्यारा और भावनाओं से भरा तोहफा यकीनन आपके दोस्त का दिल छू लेगा। ❁

(एसेसरीज एक्सपर्ट राही महेश्वरी से बातचीत पर आधारित)

प्यारे दोस्तों के लिए अट्रैक्टिव फ्रेंडशिप बैंड्स

ट्रेंड
श्रुति

बदलते ट्रेंड के साथ फ्रेंडशिप बैंड्स भी बदलते जा रहे हैं। अब इन बैंड्स में कई लेटेस्ट वैरायटीज भी अवेलेबल हैं, जो काफी अट्रैक्टिव लगती हैं। आप इनमें से कोई भी अपने प्यारे फ्रेंड के लिए चुन सकती हैं। मार्केट में खूबसूरत फ्रेंडशिप बैंड्स की ढेरों वैरायटी देखने को मिल रही हैं। इनमें सिंपल से लेकर डिजाइनर लुक तक की बड़ी रेंज मौजूद हैं। इन्हें फ्रेंडशिप के अलावा नॉर्मल डेज में भी बांधा जा सकता है।

थ्रेड बैंड्स: सबसे क्लासिक और इमोशनल टच वाला बैंड माना जाता हैं थ्रेड फ्रेंडशिप बैंड। थ्रेड वाले क्रोशिए के ब्रांडेड फ्रेंडशिप बैंड्स आउट ऑफ फैशन नहीं होते। थ्रेड्स को अलग-अलग रंगों में नॉट करके ब्रेडेड स्टाइल दी जाती हैं। इनमें आपको ढेरों कलर और डिजाइन की वैरायटी मिल जाएगी। वैसे आजकल मल्टीकलर थ्रेड बैंड्स, सिंगल कलर क्लासिक स्टाइल, ट्राइबल थ्रेड बैंड्स काफी ट्रेंड में हैं।

चार्म ब्रेसलेट स्टाइल बैंड्स: चार्म बैंड्स युवा महिलाओं और कॉलेज गोइंग गर्ल्स के बीच बहुत ज्यादा पॉपुलर हैं। चार्म बैंड्स एक तरह के फ्रेंडशिप ब्रेसलेट होते हैं, जिनमें छोटे-छोटे मेटल, बीड या एक्रेलिक आइकन या फिगर लटकाए जाते हैं जैसे म्यूजिक नोटबुक, बटरफ्लाई मून, कॉफी कप, एनिमल, स्टार, कोट्स, एविल आई, लॉक-की, हार्ट या इंस्पायरिंग वर्ड आदि। इन्हें लकी चार्म माना जाता है। हर चार्म का कोई न कोई मतलब होता हैं। इन्हें एथनिक और इंडो वेस्टर्न दोनों स्टाइल की ड्रेस के साथ मैच किया जा सकता हैं। ये बैंड्स, लेयर्ड चेन या सिल्वर कंगन के साथ भी अच्छे लगते हैं। इस तरह के बैंड्स में, इनिशियल और मल्टी लेयर चार्म बैंड्स काफी ट्रेंड में हैं। इसमें एक नहीं बल्कि चार-पांच चार्म फिगर लगे होते हैं, जो आपको अलग लुक देंगे।

डिजिटल फ्रेंडशिप बैंड्स: ये सबसे अलग और इनोवेटिव फ्रेंडशिप बैंड्स हैं, जो आजकल काफी छाए हुए हैं। इस तरह के बैंड्स आप अपने फ्रेंड को दे सकती हैं। ये बैंड्स दिखने में बेहद स्टाइलिश लगते हैं। ये ऐसे बैंड होते हैं, जिसमें एक छोटा क्यू आर कोड प्रिंट या एम्बेडेड किया गया होता है। उस क्यू आर कोड को स्कैन किया जाता है तो वह आपकी ओर से रेडी किया गया कोई मैसेज, फोटो, वीडियो क्लिप, लिंक को खोलता है। ये बैंड्स आमतौर पर सिलिकॉन, लेदर या वाटरप्रूफ फैब्रिक के बने होते हैं। इन पर क्यूआर कोड को आर्ट की तरह डिजाइन किया जाता है। ❁

(एसेसरीज एक्सपर्ट स्मिता महेश्वरी से बातचीत पर आधारित)

जन्म के बाद नवजात शिशु को पर्याप्त पोषण मिले, इसके लिए जरूरी है कि मां की डाइट भी न्यूट्रिशस हो। वर्ल्ड ब्रेस्ट फीडिंग वीक (1-7 अगस्त) के मौके पर आपको दे रहे हैं यूजफुल सजेशंस।

ब्रेस्ट फीडिंग के दौरान ऐसी हो मां की डाइट

डाइट सजेशन
ललिता गोयल

बच्चे को जन्म देने के बाद हर मां चाहती है कि उसका शिशु हमेशा स्वस्थ रहे। इसके लिए शुरुआत के कुछ महीने मां का दूध सबसे अहम होता है। मां का दूध किसी भी नवजात शिशु की पहली खुराक होता है, जो उसे पोषण देने के अलावा उसकी इम्यूनिटी को मजबूत करता है और उसे बीमारियों से बचाता है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि ब्रेस्ट फीडिंग के दौरान मां का खान-पान भी शिशु की सेहत से जुड़ा होता है? मां जैसी डाइट लेगी, शिशु को वैसा ही पोषण मिलेगा। ऐसे में जरूरी है कि स्तनपान कराने वाली मांओं की खुराक ऐसी होनी चाहिए, जो मिल्क सप्लाई को बढ़ाए और मां-बच्चे दोनों की पोषक जरूरतों को पूरा कर सके। आइए जानते हैं लैक्टेटिंग मदर का डाइट प्लान कैसा होना चाहिए?

इन्हें करें डाइट में शामिल: ब्रेस्टफीडिंग के दौरान मां को प्रोटीन से भरपूर खुराक लेनी चाहिए। यह मांस-पेशियों को मजबूती प्रदान करता है।

- ब्रेकफास्ट में मूंग दाल, पनीर सैंडविच या ओटमील ले सकती हैं। ओटमील, मिल्क सप्लाई बढ़ाने में मददगार होता है। साथ में एक मुट्ठी भिगोया हुआ मेवा और एक गिलास गुनगुना दूध ले सकती हैं।
- लंच और डिनर में लैक्टेटिंग मदर रागी, ज्वार और गेहूं के आटे से बनी रोटी, हरी सब्जियां जैसे पालक, बथुआ, सरसों का साग, मेथी का साग आदि खा सकती हैं। इससे उन्हें एनर्जी और फाइबर मिलेगा। हरी पत्तेदार सब्जियां आयरन, कैल्शियम, विटामिन सी का अच्छा स्रोत होती हैं। इसके अलावा वे दही और चिया सीड्स भी ले सकती हैं।
- शाम के समय स्तनपान कराने वाली मांएं केला, संतरा, नाशपाती, आड़ू, सेब, खरबूजा, चीकू, आम, एवोकाडो आदि फल खा सकती हैं। ये फल ब्रेस्ट फीडिंग मदर के लिए बहुत सेहतमंद होते हैं।
- स्तनपान कराने वाली मांओं को अपनी डाइट में आयरन रिच फूड्स लेने चाहिए। इसके लिए आयरन के कुछ सामान्य स्रोत जैसे दालें, फलियां, हरी पत्तेदार सब्जियां, तरबूज, अंडा और रेड मीट इत्यादि शामिल किए जा सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान: फीड कराने वाली मांओं को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- दिन में तकरीबन तीन बार पोषक आहार लें और नाश्ते को कभी स्किप न करें। इसके अलावा दो से तीन बार हल्की खुराक भी लेनी चाहिए।
- ज्यादा शुगर और फैट वाले आहार को कम मात्रा में लें।
- आलू के चिप्स, चॉकलेट, केक और सॉफ्ट ड्रिंक्स जैसे हाई फैट और शुगर वाली चीजों को ना लें या कम खाएं।
- अल्कोहल और धूम्रपान से बचें।
- स्तनपान के दौरान डाइटिंग करने से बचें।
- दूध और उससे बने प्रोडक्ट्स जैसे दही, पनीर को रोजाना की डाइट में शामिल करें। बादाम, अखरोट, काजू जैसे सूखे मेवे, मौसमी फल और हरी सब्जियां भी जरूर लें।
- शरीर को हाइड्रेट रखें, इसके लिए दिनभर में कम से कम 7-8 गिलास पानी पिएं। साथ ही, नारियल पानी, नीबू पानी जैसे हेल्दी ड्रिंक्स लें।
- इस दौरान ओमेगा-3 युक्त फूड्स जैसे अलसी के बीज या फिश का सेवन भी फायदेमंद रहता है। ❁

(डाइटीशियन शीला सहरावत से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

यूपीएस लागू किए जाने पर कर्मचारियों में रोष

रोहतक। भले ही हरियाणा सरकार ने कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम को 1 अगस्त 2025 से लागू करने का फैसला ले लिया है, लेकिन प्रदेश के कर्मचारियों के अंदर इसका भी मुखर विरोध देखा जा रहा है। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के जिला प्रधान अनिल स्वामी, जिला महासचिव संजय सिंहमार, जिला कोषाध्यक्ष रविकान्त धानक ने अपने पहले शब्द में ही इस निर्णय को कर्मचारी विरोधी बताया। उन्होंने कहा की यह सरकार और इस सरकार में बैठे लोग केवल पूंजीवाद को मजबूत करने में लगे हुए हैं। बिना सोचे समझे फिर से एक ऐसी पेंशन स्कीम को लागू करना जो एनपीएस से भी घातक है, इस सरकार के असंवेदनशील रवैये को दर्शाता है।

कॉलेज में शहीदों के नाम पर किया पौधारोपण

रोहतक। राजकीय महाविद्यालय जसिया में सोमवार को कारगिल विजय दिवस की पावन स्मृति में "शहीदों के नाम पौधारोपण" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की आउटरिच और बेस्ट प्रेक्टिस गतिविधियों के अंतर्गत किया गया, जिसका उद्देश्य शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पर्यावरण संरक्षण और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. मीनू रानी के नेतृत्व में आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

विकास पंवार को किया गया सम्मानित

रोहतक। भाजपा मंगल कमल कार्यालय रोहतक में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के आईटी सेल जिला प्रमुख विकास पंवार को सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' का 831 बूथों पर प्रभावी प्रसारण सुनिश्चित करने और उसका विवरण समय पर सरल पोर्टल पर अपलोड करने के लिए प्रदान किया गया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश सह मीडिया प्रमुख शमशेर खरक ने विकास पंवार को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया और कहा कि डिजिटल युग में प्रधानमंत्री मोदी का संवाद हर नागरिक तक पहुंच रहा है, और इसमें भाजपा के तकनीकी योद्धाओं की अहम भूमिका है।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक

रोहतक। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारी स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को राष्ट्रीय पर्व की गरिमा के अनुरूप पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि गत वर्ष की भांति संबंधित विभाग अपने विभाग से संबंधित तैयारियों को रुचि पूर्वक समय से पूर्व पूरा करें ताकि भव्य आयोजन किया जा सके।

एमडीयू में शंखनाद और मंत्रोच्चारण के साथ दीक्षारम्भ उत्सव का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत के लिए तीन दिवसीय दीक्षारम्भ उत्सव का शुभारंभ सोमवार को विधिवत शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चारण की पवित्र ध्वनियों के बीच भव्यता के साथ हुआ। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह का उद्घाटन करते हुए विद्यार्थियों को जीवन निर्माण के बहुआयामी सूत्रों से अवगत कराया।

इस अवसर पर भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्षा डॉ. शरणजीत कौर, प्रतिष्ठित शिक्षाविद् डॉ. सीता राम व्यास, मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. जसबीर लोहान (यूएसए), डीन, एकेडमिक अफेयर्स प्रो. हरीश कुमार तथा कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रो. राजबीर सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान, स्किल सेट निर्माण और सामाजिक उत्तरदायित्वों से जुडने की आवश्यकता बताई। शिक्षार्थ आइए, सेवार्थ जाइए का भाव समझाते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान युग प्रतिस्पर्धा का है, जिसमें केवल शैक्षणिक योग्यता पर्याप्त नहीं। आपको संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता और मूल्य आधारित सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। कुलपति ने बताया कि एमडीयू में आधुनिक पुस्तकालय, डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म, उच्चस्तरीय खेल सुविधाएं, नवाचार केंद्र, और समृद्ध सांस्कृतिक मंच उपलब्ध हैं, जो विद्यार्थियों के बहुआयामी विकास में सहायक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय से डिग्री के साथ-साथ हुनर साथ ले जाने की बात कही।

रोहतक। कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्षा डॉ. शरणजीत कौर व प्रतिष्ठित शिक्षाविद् डा. सीता राम व्यास।

रोहतक। ार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत, डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. सपना गर्ग व डिप्टी डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. सोनू।

प्रतिष्ठित मोटिवेशनल स्पीकर डा. जसबीर लोहान ने नवागंतुक विद्यार्थियों को उद्यमिता की राह अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने एजुकेशन को फ्यूचर का पासपोर्ट बताते हुए विद्यार्थी जीवन से ही अपने लक्ष्य पर फोकस करने की बात कही। उन्होंने विद्यार्थियों को स्ट्रेस को स्ट्रेंथ में बदलने और जीवन में खुश रहने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि डा. सीता राम व्यास ने कहा कि विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ जीवन का व्यावहारिक ज्ञान भी प्राप्त करें। उन्होंने प्रेरणादायी प्रसंग सुनाकर विद्यार्थियों को जीवन में अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित किया। यौगिक अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो. सुरेन्द्र कुमार ने महर्षि दयानंद सरस्वती के जीवन, सिद्धांतों एवं कार्यों से विद्यार्थियों को अवगत करवाया। कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने कहा कि विद्यार्थियों से सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने और विचारों पर नियंत्रण रखने की बात कही। उन्होंने थ्री एच मॉडल तथा ए टू जैड मॉडल साझा करते हुए विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र दिया और शिक्षा के साथ-साथ अपने गुरुजनों एवं सहपाठियों के साथ आइडिया पर विचार-विमर्श करने की बात कही। डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. सपना गर्ग ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया और दीक्षारम्भ उत्सव की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। डिप्टी डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. सोनू ने आभार जताया। डा. कविता हुड्डा ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर आरसीआई चेयरपर्सन डॉ. शरणजीत कौर, विशिष्ट अतिथि डा. सीता राम व्यास, विशिष्ट वक्ता डॉ. जसबीर लोहान, डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. हरीश कुमार, कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत समेत संकाय डीन, विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण, शिक्षक तथा नव प्रवेश प्राप्त स्नातक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाना ही सच्ची राष्ट्र सेवा

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने का केंद्र नहीं, बल्कि यह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का मंच है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वागत करते हुए कहा कि हमें अपनी गौरवशाली परंपरा पर गर्व है। यही सांस्कृतिक विरासत हमारी जड़ों को मजबूत करती है और आधुनिकता के साथ संतुलन बनाना सिखाती है। कुलपति ने कहा कि एमडीयू न केवल शिक्षा बल्कि अनुसंधान, खेल, नवाचार और सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में भी एक अग्रणी संस्थान बनकर उभरा है। उन्होंने नवागंतुकों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन को साकार करने में सहभागी बनने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा ही देश का भविष्य गढ़ते हैं, और इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाना ही सच्ची राष्ट्र सेवा है।

प्रदेशभर से 1840 खिलाड़ी लेंगे भाग, महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा प्राथमिकता

रोहतक में 2 से 4 अगस्त तक राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ, तैयारियों में जुटा प्रशासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रोहतक

आगामी 2 से 4 अगस्त तक रोहतक में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ की तैयारियों को लेकर उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने अधिकारियों के साथ बैठक कर दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खेल महाकुंभ में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन और सुरक्षा के सभी प्रबंध समय पर पूरे किए जाएं, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध करने के भी निर्देश दिए गए। उपायुक्त सोमवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने संबंधित विभागों से कहा कि वे अपने-अपने स्तर पर सभी तैयारियों को समयबद्ध ढंग से पूरा करें।

रोहतक। बैठक में मौजूद डीसी धर्मेंद्र सिंह व अन्य अधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

कहा कि प्रतियोगिता स्थलों और ठहरने के स्थानों पर साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने खेल विभाग को निर्देश दिए कि खिलाड़ियों को पौष्टिक, ताजा व शुद्ध भोजन उपलब्ध करवाया जाए। खेल महाकुंभ में बॉक्सिंग, नेटबॉल और फुटबॉल की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसमें हरियाणा के सभी जिलों से कुल 1840 खिलाड़ी भाग लेंगे, जिनमें 920 लड़के और 920 लड़कियां शामिल होंगी। उपायुक्त ने खेल विभाग के अधिकारियों को शिक्षा विभाग से तालमेल कर खिलाड़ियों के ठहरने के समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण को निर्देशित किया कि राजीव गांधी खेल परिसर स्थित शौचालयों की मरम्मत जल्द से जल्द करवाई जाए, ताकि खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही, पुलिस विभाग को महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए प्रतियोगिता स्थलों और ठहरने की जगहों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, उपमंडलाधीश उत्सव आनंद, आशीष कुमार, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त मंजीत कुमार, नगराधीश अंकित कुमार, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल, जिला राजस्व अधिकारी प्रमोद चहल, एम.डी.यू. की खेल निदेशक डॉ. शकुंतला बेनीवाल, जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी दिलजीत सिंह, उप सिविल सर्जन डॉ. राजबीर सभ्रवाल सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

परिवहन विभाग खिलाड़ियों को करवाएगा बसें उपलब्ध

खिलाड़ियों के आवागमन के लिए परिवहन विभाग पर्याप्त संख्या में बसें उपलब्ध करवाएगा। खेल स्थलों पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा एंबुलेंस सेवाएं तैनात की जाएंगी। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम को प्रतियोगिता स्थलों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा की पत्नी डॉ. रीटा शर्मा ने अग्रवाल आभूषण का किया उद्घाटन

रोहतक। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा की पत्नी डॉ. रीटा शर्मा ने अग्रवाल आभूषण रोहतक का उद्घाटन करने पहुंची। हरियाली तीज के पवित्र अवसर पर उन्होंने हरियाणवी संस्कृति की परंपरा में गले की कंठी, गलसरी आदि गहने देखने में रुचि प्रकट की। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित जनसेवा संस्थान से स्वामी परमानंद महाराज, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अनूप बंसल मधुकांत, प्रेरणा वृद्ध आश्रम कुरुक्षेत्र से डॉक्टर जय भगवान सिंगला आदि की गरिमामय उपस्थिति में उद्घाटन कार्यक्रम संपन्न हुआ। तीज उत्सव पर आयोजित उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. बाबूराम, डॉक्टर पुष्पा, डॉक्टर रमाकांता, डॉक्टर जनार्दन शर्मा, प्रोफेसर शामलाल कौशल, प्रोफेसर अंजना गर्ग, विकास बंसल, आशा खत्री, डॉक्टर अशोक कुमार मंगलेश, समाजसेवी नरेश गर्ग, राजेंद्र गुप्ता, सुशील बंसल, डॉक्टर हरीश, अशोक गुप्ता आदि समाजसेवी साहित्यकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम आयोजन कर्ता विनोद गर्ग ने सभी उपस्थित महानुभावों का धन्यवाद किया।

फीस माफी समेत कई मांगों को लेकर जताया रोष

रोहतक। महार्षि दयानंद विश्वविद्यालय में छात्रों ने विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक मांगों को लेकर एकजुटता दिखाई और राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस प्रदर्शन का नेतृत्व युवा इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद गोस्वामी ने किया। उन्होंने विश्वविद्यालय में व्याप्त समस्याओं को उजागर करते हुए सरकार व विश्वविद्यालय प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की। छात्रों ने सबसे पहले विश्वविद्यालय में शिक्षकों की भारी कमी को लेकर चिंता जताई और कहा कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने वाला है, लेकिन सरकार व प्रशासन द्वारा अभी तक भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर भर्ती प्रक्रिया शीघ्र शुरू नहीं हुई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। अरविंद गोस्वामी ने बताया कि प्रशासन द्वारा कक्षा से अगली कक्षा में प्रमोट करने के लिए नई शर्तें लागू करने की योजना बनाई जा रही है, जबकि छात्रों को पहले की तरह बिना शर्त प्रमोट किया जाना चाहिए। इडब्लयूएस श्रेणी के छात्रों की ट्यूशन व होस्टल फीस माफ करने की भी मांग छात्रों ने रखी।

रोहतक। अपनी मांगों के लिए सिविल सर्जन डॉ रमेश चंद्र को ज्ञापन सौंपते एचसीएमएस एसोसिएशन के पदाधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

एचसीएमएस एसोसिएशन ने मांगों का ज्ञापन सौंपा

रोहतक। एचसीएमएस एसोसिएशन ने सोमवार को सिविल सर्जन डॉ रमेश चंद्र को ज्ञापन सौंपा। इसमें बताया कि निजता के उल्लंघन जियो फेंसिंग को वापिस करवाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की सभी एसोसिएशन ने मिलकर तालमेल कमेटी का गठन करते हुए स्वास्थ्य मंत्री व अन्य अधिकारियों को ज्ञापन दिया था। जिसके दौरान स्वास्थ्य मंत्री द्वारा 20 जुलाई तक इसका समाधान करने का आश्वासन दिया था लेकिन उनके द्वारा इसका कोई समाधान नही किया गया। इसलिए अब प्रदेश स्तरीय स्वास्थ्य विभाग तालमेल कमेटी ने निर्णय लिया है कि स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी व कर्मचारी दिनांक 28 जुलाई को काले बिल्ले लगाकर व 4 अगस्त 2025 को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक एक घंटे के लिए काम रोककर विरोध दर्ज किया जाएगा। इस विरोध प्रदर्शन में एचसीएमएस एसोसिएशन रोहतक से प्रधान डॉ विश्वजीत राठी, डॉ सत्यवान, डॉ अनिल जीत, डॉ परितेव सिंह, एमएचएम एसोसिएशन से प्रधान डॉ अंकित फोगाट, डॉ अश्वनी चहल, बहु उद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन रोहतक से प्रधान विनोद हुड्डा, संदीप गोस्वामी, निर्मल, नरेंद्र जांगड़ा, सुपरवाइजर संघ से नरेंद्र, बसंत, मिनिस्ट्रीरियल स्टाफ एसोसिएशन से राजेश चितकारा आदि मौजूद रहे।

सावन माह के तीसरे सोमवार पर शिव भक्तों ने मांगीं मन्नतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रोहतक

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में ब्रह्मलीन गुरुमां गायत्री के सानिध्य में सावन माह के तीसरे सोमवार को साध्वी मानेश्वरी देवी व श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन के साथ शिवलिंग पर भोलेनाथ का जलाभिषेक व रुद्राभिषेक कर परिवार के सुख समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं ने भांग, गंगा जल, धतूरे, बेलपत्र, पुष्प, दूध, जल आदि से शिवालयों में भगवान शिव का अभिषेक किया और अपनी मन्नतें पूरी होने की कामना की। शिव भजनों पर भक्त नाचने झूमने पर विवश हुए। शिवालय में हर-हर महादेव, बम-बम भोले और नमोः शिवाय, भोले तेरी बम-बम बम भोले के जयकारे मंदिर में गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने शिव का पंचाक्षर मंत्र ओम नम शिवाय का जाप किया। पंडित अशोक शर्मा द्वारा आरती की गई और प्रसाद वितरित किया गया। यह जानकारी सचिव गुलशन भाटिया ने दी। शिव पुराण कथा में साध्वी मानेश्वरी देवी ने बताया कि भगवान शिव को मृत्यु और मोक्ष दोनों का स्वामी माना जाता है। मृत्यु उनके अधीन है और वे ही जीवन-मृत्यु के चक्र से मुक्ति दिलाते हैं, जिसे मोक्ष कहते हैं। सब कुछ उन्हीं के हाथ निहित है।

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में सावन माह के तीसरे सोमवार पर साध्वी मानेश्वरी देवी भक्तों संग शिवलिंग पर जलाभिषेक करते।

तीज-नारी शक्ति, प्रकृति और परंपरा का उत्सव

रोहतक। गौड़ ब्राह्मण डिग्री कॉलेज में पारंपरिक उल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ तीज का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया गया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. जयपाल शर्मा ने तीज के सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला और सबको अपनी परंपराओं से जुड़े रहने का संदेश दिया। उन्होंने तीज की शुभकामनाएं दी।

नगर निगम, रोहतक

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम, रोहतक की कर शाखा के सम्पतिकर के रिकार्ड में नई प्रोपर्टी आई.डी. नं. 1H2B7A83 पुरानी प्रोपर्टी आई.डी. नं. 209C92U92 वार्ड नं./पता 147, Ambedkar Colony पुराने एम.डी.सी. रिकार्ड में Ramesh S/o Phool Singh व सर्वे के अनुसार नए एन.डी.सी. रिकार्ड में Santra Devi नाम से दर्ज है। अब नगर निगम के रिकार्ड में इस आई.डी. नं. में प्रार्थी जिसका नाम Santra Devi, Preet, Renu है वसीयत/वारसान के आधार पर अपने नाम तबदील करवाना चाहते हैं जिसकी वारसान रिपोर्ट तहसीलदार रोहतक द्वारा तसदीक की गई है। यदि किसी भी जनसाधारण को इनके नाम तबदील करने में कोई आपत्ति है तो 30 दिन के अंदर-अंदर नगर निगम कार्यालय में अपनी आपत्ति दर्ज करवायें, अन्यथा प्रोपर्टी टैक्स में उसके नाम तबदील कर दी जाएगी। जिसके लिए नगर निगम रोहतक कोई उत्तरदायी नहीं होगा।

हस्ता/- क्षेत्रीय कराधान अधिकारी,
नगर निगम, रोहतक

क्रमांक : MCR/ZTO/2025/2593
दिनांक : 21.07.2025

ईडी के डर से हुड्डा ने हरियाणा में कांग्रेस को भाजपा के सामने कर दिया सरेंडर

मित्रता का धर्म निभाते हुए बाबू-बेटे ने कांडा के साथ मिलकर चौटाला के खिलाफ रचा षड़यंत्र : सुनैना

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रोहतक

इनेलो की राष्ट्रीय महिला प्रभारी सुनेना चौटाला ने हाल ही में कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा व हलोपा सुप्रीमों गोपाल कांडा द्वारा रानिया सीट को लेकर दिए गए बयान को लेकर कहा कि बाबू-बेटा, कांडा व भाजपा इनेलो राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला की ईमानदारी और बढ़ती लोकप्रियता से घबरा गए हैं। इसीलिए उनके खिलाफ अनाप शनाप बयानबाजी कर रहे हैं। रानिया की जनता ने बाबू बेटे व कांडा को आईना दिखा दिया है। उन्होंने कहा कि दीपेन्द्र हुड्डा अपने पिता से पहले पूछे कि गोपाल कांडा मित्र किसका है, क्योकि किसान आंदोलन के समय जब अभय चौटाला ने अपनी इस्तीफा दिया और दोबारा इलेक्शन हुआ तब पूर्व सीएम हुड्डा ने मंच से कहा था कि आया तो मै कांग्रेस के लिए हूं, लेकिन गोपाल कांडा मेरा मित्र है और आज भी वह मित्रता का ही धर्म निभा रहे हैं। सोमवार को इनेलो की राष्ट्रीय महिला प्रभारी सुनेना चौटाला मैना पर्यटक केन्द्र में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी।

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते इनेलो की राष्ट्रीय महिला प्रभारी सुनेना चौटाला।

उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष की कोठी आज तक खाली क्यों नहीं हुई है, जबकि राहुल गांधी की जब सदस्यता रद्द हुई थी तो भाजपा ने तीस दिन के अंदर राहुल गांधी का बंगला खाली करवा लिया था, लेकिन आज कांग्रेस पार्टी के पास नेता प्रतिपक्ष के नाम पर कोई नेता नहीं बन पाया और आज वहीं हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष की कोठी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के कब्जे में है और आज हरियाणा में बी टीम कौन है यह प्रदेश की जनता अच्छे से समझ गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी के डर के कारण पूर्व सीएम हुड्डा ने प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने में मदद की है और लोगों साथ साथ कांग्रेस पार्टी के साथ भी बाबू-बेटे ने विश्वासघात किया। भाजपा की बी टीम के रूप में काम कर लोगों को सिर्फ गुमराह किया जा रहा है।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष तनुजा कश्यप ने भी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है और लोग सरकार से पूरी तरह से परेशान है। इस मौके पर पूर्व विधायक बलवंत मायना, डॉ. नफे सिंह लाहली, कृष्ण कौशिक एडवोकेट, विनोद अहलावत, सतीश नांदल रिठाल, बल्लू प्रधान, जयसिंह शिमली, डीके हुड्डा, शीला खरैटी, राकेश सहगल, लक्की सरदार, रामभगत लाकडा, दलबीर राणा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

हेपेटाइटिस दिवस पर किया रक्तदान

रोहतक। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर मेडिकल मोड पर मां दानो देवी धर्मार्थ ट्रस्ट की तरफ से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस रक्तदान शिविर में देश के प्रथम दिव्यांग शतकवीर रक्तदाता तस्वीर हुड्डा ने 104 वीं बार रक्तदान कर लोगों का उत्साहवर्धन किया। इस रक्तदान शिविर में कुल 42 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। संस्था के संस्थापक तस्वीर हुड्डा ने बताया कि कई लोगों की तरफ से आग्रह किया गया कि विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर संस्था की तरफ से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाए। इसे देखते हुए शहर के मेडिकल मोड पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। जिससे इस रक्तदान शिविर में कुल 42 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। जिसे मौके पर ही पीजीआई के ब्लड बैंक में पहुंचा दिया गया।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- RMO 4
- ICU STAFF 6
- NURSING STAFF 4
- PRO/MARKETING EXECUTIVE 2
- COMPUTER OPERATOR 1

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

SHRI BALAJI INSTITUTE OF PARA MEDICAL SCIENCE
AUTHORIZED ADMISSION CENTRE OF MAA KAAMAL FOUNDATION
DR. S.K. SAINI Director
पिछले 25 वर्षों से लगातार जनसेवा में कार्यरत संस्थान।
फीस में 50% की विशेष छूट सभी के लिए सीमित समय के लिए
पहले आयें-पहले पायें। छात्रावास सुविधा। रविवार खुला है
DIPLOMA IN G.N.M. (MALE/FEMALE)
योग्यता :- 12th (किसी भी विषय में)
अवधि :- $3\frac{1}{2}$ वर्ष | कुल सीटें :- 60
नियमित कक्षायें ऑनलाईन व ऑफ लाईन दोनों मोड में।
आजही अपने प्रमाण पत्रों के साथ आकर मिलें।
अतिशिघ्र आवश्यकता है:-
• G.N.M. -20
• MEDICAL LAB. TECH.-20
जो थ्योरी व प्रेक्टिकल दोनों करवा सके।
Dr. S.K. Saini (Director)
41/29, चाणक्य पुरी, शीला सिनेमा के पीछे, रोहतक-124001
9254233221

खबर संक्षेप

मेयर व पार्षद का सम्मान करेंगे वार्ड-20 के निवासी

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता तथा डॉ मंगल सैन विचार मंच के अध्यक्ष मनोहर लाल वधवा ने बताया कि वार्ड-20 पुराना हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी में मेयर राम अवतार वाल्मीकि तथा पार्षद प्रवीन कौशिक का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने कहा प्रवीन कौशिक वार्ड में बड़ी मेहनत से काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया भगवती चौक से शिवाजी कॉलोनी चौक तथा हाऊसिंग बोर्ड की मार्केट से नमस्ते चौक तथा सड़क का निर्माण करवाया गया है। सीवर, पीने की पानी, बरसाती पानी की निकासी के कड़े प्रबंध कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पार्षद सामाजिक कार्यो में भी पार्षद बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं।

शाम 6 बजे तक जमा होगा सम्पत्तिकर

रोहतक। निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने सोमवार को निगम कार्यालय में तकनीकी शाखा और सम्पत्तिकर विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि शहर में चल रहे सभी विकास कार्यों की नियमित निगरानी की जाए और कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि में पूरे किए जाएं। मैं स्वयं भी फील्ड में जाकर निरीक्षण करूंगा। सम्पत्तिकर भुगतान पर 10 प्रतिशत की छूट 31 जुलाई 2025 तक दी जा रही है। नगर निगम कार्यालय में सम्पत्तिकर जमा कराने की समय-सीमा बढ़ाकर शाम 6 बजे तक कर दी गई है।

रात्रि ठहराव कार्यक्रमः डीसी ने गांव बनियानी में सुनीं लोगों की समस्याएं

जल भराव व पेयजल की समस्या का करवाया जाएगा स्थाई समाधान, तंग रास्ते होंगे चौड़े

■ उपायुक्त ने सामुदायिक केंद्र परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और लोगों से जल सरंक्षण का भी आह्वान किया

रोहतक। रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान गांव में लोगों की समस्याएं सुनते और जलघर का निरीक्षण करते उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा बनियानी गांव की सभी उचित मांगों को पूरा करवाने के प्रयास किए जाएंगे। गांव में खेल सुविधाओं, जल निकासी के स्थाई प्रबंधों व पेयजल की समस्या को सुलझाया जाएगा। गांव के तंग रास्तों को चौड़ा करवाने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों को पौधरोपण एवं जल संरक्षण का संदेश देते हुए सामुदायिक केंद्र परिसर में पौधरोपण किया।

धर्मेंद्र सिंह जिला के कलानौर खंड के बनियानी स्थित सामुदायिक केंद्र में हरियाणा उदय के कार्यक्रम के तहत आयोजित रात्रि ठहराव कार्यक्रम में ग्रामीणों की शिकायतों की सुनवाई कर रहे थे। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, एएसपी शशी शेखर, उपमंडलाधीश आशीष कुमार, नगराधीश अंकित कुमार, परिवहन महाप्रबंधक विपिन कुमार, पुलिस उपाधीक्षक गुलाब सिंह, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल, जिला राजस्व अधिकारी प्रमोद चहल, सिविल सर्जन डॉ. रमेश चंद्र, जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक, नायब तहसीलदार दीपक, सरपंच रामजीवन व खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी अश्वनी कुमार सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

उपायुक्त ने कहा कि यदि गांववासी गांव से दूर पंचायती भूमि से गांव के समीप बदलकर भूमि उपलब्ध करवाए और पंचायत इस मामले में प्रस्ताव उपलब्ध करवाए तो जिला प्रशासन द्वारा युवाओं को खेल सुविधाओं के लिए खेल मैदान विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा स्कूल व तालाब में जलभराव की स्थिति का स्थाई समाधान करने के लिए स्थाई पंप लगवाया जाएगा। ग्राम पंचायत द्वारा रखी गई सभी उचित मांगों को पूरा करवाया जाएगा। गांव के तंग रास्तों को चौड़ा करवाने के लिए भी कार्रवाई की जाएगी। गांव में सिंचाई सुविधाओं के लिए पुराने खालों की मरम्मत व नए खालों के निर्माण के लिए सर्वे करवाया जाएगा।

जलघर का निरीक्षण कर पेयजल की जांची गुणवत्ता

उपायुक्त ने गांव बनियानी के जल घर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मौके पर ही जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को टैंक की सफाई करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने मौके पर ही जल घर की पानी सप्लाई चालू करवा कर पानी की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने निर्देश दिए की अवैध कनेक्शन को हटाया जाए। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को नहर से जल घर तक पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए।

निःशुल्क मिलेंगे सहायक उपकरण

धर्मेंद्र सिंह ने रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान जिला रेडक्रॉस सोसाइटी एवं अलिम्को के सहयोग से आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर में दिव्यांगजनों व बुजुर्गों को निशुल्क सहायक उपकरण भी वितरित किए। इनमें बैटरी संचालित रिक्शा, व्हीलचेयर, कान की मशीन, कमोड चेयर, कमर की बेल्ट, छड़ी आदि शामिल है। इसके अलावा रात्रि ठहराव कार्यक्रम में ग्रामीणों की आंखों की भी जांच की गई और पात्र लोगों को निशुल्क चश्में भी वितरित किए गए। ग्राम पंचायत की ओर से उपायुक्त एवं अन्य प्रशासनिक उच्चाधिकारियों को मान-सम्मान का प्रतीक पगड़ी पहनाकर व बुके भेंट कर नागरिक अभिनंदन किया।

30 व 31 को 41 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी एचटेट

रोहतक। जिला विकास भवन में उपरोक्त परीक्षा की तैयारी को लेकर डयूटी मजिस्ट्रेट एवं परीक्षा केंद्र अधीक्षकों की बैठक लेते उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह।

■ बोर्ड द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशों के अनुसार ही परीक्षा को संपन्न करवाएं

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

जिला उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा है कि हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) को नकल रहित, पारदर्शी व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाना हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। उपायुक्त सोमवार को जिला विकास भवन में उपरोक्त परीक्षा की तैयारी को लेकर डयूटी मजिस्ट्रेट एवं परीक्षा केंद्र अधीक्षकों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

धर्मेंद्र सिंह ने परीक्षा को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश जारी करते हुए कहा कि नकल रहित परीक्षा करवाना ही हम सब का उद्देश्य है। इसलिए ड्यूटी देने वाले प्रत्येक कर्मचारी को एसओपी की अनुपालना सुनिश्चित करनी होगी और बोर्ड द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशों के अनुसार ही परीक्षा को संपन्न करना होगा। उन्होंने ड्यूटी देने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को कहा कि वे परीक्षा को लेकर जारी दिशा निर्देशों को अच्छे से पढ़ लें। उन्होंने भी कहा कि कई बार ओवर कॉन्फिडेंस के चलते गलतियां हो जाती है। धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि एसईटी की परीक्षा करवाना भी हमारे लिए एक चुनौती थी। लेकिन सभी ने टीम भावना से काम करके इसे सफल बनाया है। उन्हें उम्मीद है कि एचटेट की परीक्षा भी सफलतापूर्वक संपन्न होगी।

उपायुक्त ने बताया कि एचटेट परीक्षा 30 और 31 जुलाई को जिले के 41 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, यह सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि सभी अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश के समय रोल नंबर स्लिप के साथ मूल पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा।

ओरिजनल आईडी लेकर आएंः उपायुक्त ने बताया कि अभ्यर्थी आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र (वोटर कार्ड) में से कोई भी ओरिजिनल डॉक्यूमेंट साथ लेकर आए। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं जैसे कि बिजली, स्वच्छ पेयजल और साफ-सुथरे शौचालयों की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कार्यशील वॉल क्लॉक (घड़ी) लगाईः उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि सभी कक्षों में कार्यशील वॉल क्लॉक (घड़ी) लगाई जानी चाहिए, ताकि परीक्षार्थियों को समय का सही आभास हो सके। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, सांपला के उपमंडलाधीश उत्सव आनंद, उपमंडलाधीश आशीष कुमार, नगराधीश अंकित कुमार, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त मंजीत कुमार आदि मौजूद रहे।

स्कॉलर रोजरी में मनाया तीजोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

■ अभिभावकों ने सावन से जुड़े लोकगीतों की सजीव प्रस्तुतियां दी

स्कॉलर रोजरी स्कूल परिसर में भारतीय परंपराओं से ओतप्रोत तीज उत्सव एवं पतंगबाजी मेले का रंगारंग आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत लोकसंगीत की मधुर धुनों और पारंपरिक साज-सज्जा के साथ हुई, जिससे विद्यालय परिसर में उत्सव का उल्लास बिखर गया। शुभारंभ टीका एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद केजी कक्षा की छात्राओं ने शिव वंदना और सावन नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। सावन के गीत प्रतियोगिता में अभिभावकों ने सावन से जुड़े लोकगीतों की सजीव प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया।

इंपीरियल विंग की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत हरियाणवी नृत्य-तीज का त्योहार है, मैं खुल के नाचूंगी और ब्लॉसम्स विंग की छात्राओं का पंजाबी नृत्य-तीया दा मेला दर्शकों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बने। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा तीज क्वीन प्रतियोगिता, जिसमें प्री-नर्सरी वर्ग की माताओं ने पारंपरिक परिधानों, आत्मविश्वास और मंच प्रस्तुति के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता तीन राउंड में संपन्न हुई। मेहंदी प्रतियोगिता में माताओं ने अपनी रचनात्मकता और कलात्मकता से सभी को प्रभावित किया। प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन श्वेता सक्सेना गौर और डॉ. शिल्पी सिंह ने किया। प्राचार्या प्रीति गुगनानी ने अपने प्रेरणादायी संदेश में कहा कि तीज जैसे पारंपरिक पर्व विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान और आत्मीयता विकसित करते हैं, साथ ही उनके व्यक्तित्व और रचनात्मकता को भी नई दिशा प्रदान करते हैं।

जियो-फेसिंग अटेंडेंस सिस्टम के खिलाफ डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों ने किया विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महम

■ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया

स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी जियो फेसिंग अटेंडेंस सिस्टम लागू किए जाने का विरोध कर रहे हैं। सोमवार को महम के उपमंडल नागरिक अस्पताल में यह विरोध देखने को मिला। अस्पताल के डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने जियो फेसिंग अटेंडेंस के विरोध में अस्पताल परिसर में प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकरर नारेबाजी की।

इस विरोध प्रदर्शन में लैब टैनिशियनन, फार्मासिस्ट, ऑप्थेल्मिक असिस्टेंट और एचकेआरएन कर्मचारियों ने भी भाग लिया। डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने प्रस्तावित जियो-फेंसिंग अटेंडेंस मैनेजमेंट सिस्टम के विरोध में काली पट्टी बांधकर काम किया। हैल्थ इंस्पेक्टर सुनील कुमार अहलावत ने बताया कि यह विरोध प्रदर्शन अस्पताल के एसएमओ डॉक्टर विकास बालयान के नेतृत्व में किया गया। प्रदर्शन में अस्पताल के लगभग सभी विभागों के कर्मचारियों ने अपनी एकजुटता दिखाई। विरोध प्रदर्शन के दौरान पर्ची कक्ष के सामने मरीजों की लंबी लाइन लग गई।

हालांकि विरोध के बावजूद कर्मचारियों ने अस्पताल के दैनिक कार्यों को बाधित नहीं किया और मरीजों को दी जाने वाली सेवाओं को सामान्य रूप से जारी रखा। जियो फेसिंग अटेंडेंस सिस्टम के विरोध प्रदर्शन में डॉ. रिम्पी, डॉ. जय संत, डॉ. कनक, डॉ. विवेक गुप्ता, हेल्थ इंस्पेक्टर सुनील कुमार अहलावत, ब्लॉक एजुकेटर सत्यवान, एमपीएचडब्ल्यू कुलदीप, राजेश दलाल, परमवीर, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर ज्योति मेहता, नर्सिंग ऑफिसर सीमा, सरोज, ज्योति समेत कई कर्मचारी शामिल हुए।

महम। जियो फेसिंग अटेंडेंस सिस्टम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते उपमंडल नागरिक अस्पताल महम के डॉक्टर्स व स्वास्थ्यकर्मी।

पठानिया में रॉक एंड रॉल प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

■ रंग-बिरंगी, मनमोहक पोषाकें पहने बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था

पठानिया पब्लिक स्कूल में कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए रॉक एंड रॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। नृत्य प्रतियोगिता एक ऐसा मंच है जहां प्रतिभागी अपने नृत्य कौशल का प्रदर्शन करके अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं। विद्यार्थियों द्वारा 'फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी', 'ए वतन मेरे वतन', 'कहते हैं हमको प्यार से इंडिया वाले', 'जय हो, देष रंगीला, गणेष वंदना, रंगीला म्हारो ढोलना' आदि गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। रंग-बिरंगी, मनमोहक पोषाकें पहने बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था।

निर्णायक की भूमिका विनीता, काजल मल्होत्रा, सुप्रिया, वीरांगना, कोमल बुट्टन, रीमा शर्मा, मोनिका राणा, प्राची एवं मनप्रीत द्वारा निभाई गई। स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं न सिर्फ बच्चों की रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देती हैं बल्कि बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास में भी सहायक हैं। स्कूल में समय-समय पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित होती रहती है।

प्रतियोगिता की समाप्ति पर स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया, स्कूल को-फाउंडर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उप-प्रधानाचार्या प्रीति ढांडा, सुनीता मोर, हैड मिस्ट्रेस सुमन राठी, कोर्डिनेटर प्रभा शर्मा, अनु सहरावत एवं रजनी गुलाटी ने सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया तथा भविष्य में होने वाली सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

प्रतियोगिता के लिए नवीन दलाल का चयन

भारतीय पैरा तीरंदाजों की विश्व मंच पर एक और उड़ान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

■ नवीन दलाल इससे पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं

भारतीय तीरंदाजी संघ ने आगामी 2025 पैरा आर्चरी वल्ड रैंकिंग इवेंट के लिए चुने गए भारतीय तीरंदाजों की घोषणा कर दी है। यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 23 अगस्त से 31 अगस्त 2025 तक नोवे मेस्तो नाद मेतुजी, चेक गणराज्य में आयोजित की जाएगी। नवीन दलाल का चयन हाल ही में 15 और 16 जुलाई को दिल्ली स्थित डीडीए यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित तीसरी पैरा मूल्यांकन ट्रायल में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। नवीन दलाल ने इस ट्रायल में अत्यंत प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। हरियाणा से ताल्लुक रखने वाले नवीन दलाल ने पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन से यह सिद्ध किया है कि वे भारत के अग्रणी पैरा तीरंदाजों में से एक हैं।

उन्होंने लक्ष्य पर जबरदस्त सटीकता और मानसिक दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए ट्रायल के दौरान अपने प्रतिद्वंद्वियों पर बढ़त बनाई। नवीन दलाल इससे पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और उनके अनुभव और प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें इस बार भारत की उम्मीदों का मुख्य आधार माना जा रहा है। वे न केवल एक कुशल तीरंदाज हैं, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत भी हैं, जिन्होंने शारीरिक बाधाओं को मात देकर खेल जगत में अपनी खास पहचान बनाई है।

भारतीय तीरंदाजी संघ को आशा है कि नवीन दलाल अपने अनुभव और समर्पण से इस प्रतियोगिता में भारत को पदक दिलाने में सफल होंगे। कोचिंग स्टाफ और स्पोर्ट्स साइंस टीम भी नवीन जैसे प्रतिभाशाली खिलाडियों को उच्च स्तरीय तैयारी उपलब्ध कराने में जुटी हुई है। इस अवसर पर सैनिक स्कूल सिंहपुरा के चेयरमैन अशोक दलाल और तहसील कार्यालय में कार्यरत उनके सहयोगियों ने नवीन दलाल को बधाई व शुभकामनाएं दी।

रोहतक और सोनीपत में होंगी राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिताएं

■ प्रदेश में प्रो खो-खो लीग का आयोजन भी होगा

रोहतक। हरियाणा स्पोर्ट्स खो-खो संघ की वार्षिक आम बैठक सोमवार को गुरुग्राम में संघ के राज्य प्रधान एवं भारतीय खो-खो महासंघ के नव नियुक्त उपाध्यक्ष तथा पूर्व मुख्यमंत्री के ओएसडी जवाहर सिंह यादव के नेतृत्व में संपन्न हुई। यह बैठक यादव के निवास स्थान पर आयोजित की गई, जिसमें हरियाणा के सभी जिलों के खो-खो संघों के प्रधान, महासचिव और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। संघ के अध्यक्ष जवाहर सिंह यादव व महासचिव महेंद्र कंबोज ने बताया कि भारतीय खो-खो महासंघ द्वारा हरियाणा स्पोर्ट्स खो-खो संघ को अब आधिकारिक मान्यता मिल चुकी है। जनवरी 2026 में 58वीं सीनियर नेशनल खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन हरियाणा में किया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश में प्रो खो-खो लीग का आयोजन कर खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है। बैठक में जिला रोहतक खो-खो संघ के प्रधान उपेंद्र नैन और महासचिव सुभाष रूहील ने जानकारी दी कि 2025 में राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता के तहत सीनियर पुरुष एवं महिला वर्ग की प्रतियोगिता रोहतक में तथा जूनियर वर्ग की प्रतियोगिता सोनीपत में आयोजित की जाएगी।

राज्य अध्यक्ष जवाहर सिंह यादव ने आश्वस्त किया कि हरियाणा में खो-खो खेल को और अधिक लोकप्रिय बनाने और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। खो-खो एक पारंपरिक व ऊर्जा से भरपूर खेल है, जिसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर एडवोकेट बृजभान, अशोक गिल, जसवंत, मंदीप, प्रिंसिपल बीरबल, कोच बलवंत सिंह, रमेश चंद्र, अजीत आदि मौजूद रहे।

महानगरीय जीवन की त्रासदी को दिखाया नाटक दयाशंकर की डायरी में

रोहतक। हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स रोहतक के विख्यात एकल नाटक दयाशंकर की डायरी का छठा मंचन गुरुग्राम के रंग परिवर्तन स्टूडियों में किया गया। नाटक का निर्देशन विश्व दीपक त्रिखा ने किया और एकल अभिनय डॉ. सुरेंद्र शर्मा द्वारा किया गया। दयाशंकर की डायरी फिल्म अभिनेत्री और नाटककार नादिरा ज़हीर बब्बर द्वारा लिखा गया है। दयाशंकर की डायरी में एक नाकाम अभिनेता की कहानी के माध्यम से महानगरीय जीवन की त्रासदी को प्रस्तुत किया गया, जिसे दर्शकों की भरपूर सराहना मिली। नाटक में प्रकाश एवं ध्वनि व्यवस्था जगदीप जुगनू ने संभाली। कला और स्टेज सेटिंग का जिम्मा मनीष खरे ने निभाया तथा समन्वयक का काम समीर शर्मा ने किया। प्रोडक्शन की जिम्मेदारी अविनाश सैनी की रही। एकल नाटक दयाशंकर की डायरी एक ऐसे युवा अभिनेता की कहानी है, जो एक्टर बनने मुंबई आता है लेकिन मजबूरीवश एक ऑफिस में क्लर्क की नौकरी करने लगता है। थोड़ी सी पगार में घरवालों की जरूरतों को पूरा करते रहने के कारण वह हमेशा तंगहाली में रहता है। दफ्तर के माहौल से दुःखी दयाशंकर को इसी बीच अपने बॉस की खूबसूरत बेटी से एकतरफा प्यार हो जाता है। वह उससे शादी करने के सपने देखने लगता है, जबकि लड़की अपने पिता के धनवान दोस्त के बेटे से शादी कर लेती है। इससे दयाशंकर टूट जाता है और उसका मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है। असफलता से भरे जीवन में आर्थिक तंगी और टूटते सपनों की इसी त्रासदी के साथ नाटक का दुःखद अंत होता है।

ये रहे मौजूदः इस अवसर पर रंग परिवर्तन के निदेशक एवं एनएसडी ग्रेजुएट महेश वशिष्ठ की धर्मपत्नी उषा वशिष्ठ, फ़िल्मि अभिनेता व रंगकर्मी विजय भटोडिया, राजीव यादव, रंगकर्मी नवीन कपूर, नगर निगम के पूर्व अभियंता सी आर बिश्नोई,मोहन भारद्वाज, यश कौशिक, मयंक शेखर, वर्षा सहित बड़ी संख्या में शहर के बुद्धिजीवी और रंग प्रेमी उपस्थित रहे।